लालची बंदर

(कविता)

16

एक समय की बात बताऊँ!
कई दिनों का भूखा बंदर
खाने को कुछ पा जाने को
घूम रहा था इधर-उधर।

दिया दिखाई उसको
सूने घर में रखा एक घड़ा।
और घड़ा भी भुने हुए
कुरमुरे चनों से भरा पड़ा।

दोनों हाथ साथ बंदर ने
फौरन दिए घड़े में डाल।
चने भरी मुट्ठियों को वह
लेकिन पाया नहीं निकाल।

घड़ा बहुत छोटे मुँह का था,
हाथ निकल न पाता था।
और लालची बंदरमल से
चना न छोड़ा जाता था।

फिर-फिर कोशिश करते-करते
बहुत लग गई उसको देर।
बस आ पहुँचे डंडा लेकर
घर के मालिक रामसुमेर।

अब खुद सोच तुम्हीं सकते हो,
बंदर पर जो कुछ बीती।
बच्चो, तुम यह बतलाओ
बंदर ने की क्या गलती?

— हरिवंशराय 'बच्चन'

कविता का भावार्थ – प्रस्तुत कविता में कवि हरिवंश राय बच्चन बंदर के लालच के बारे में बताते हैं। बहुत समय पहले कई दिनों से भूखा-प्यासा बंदर खाने की खोज में इधर-उधर भटक रहा था। इतने में उसे खाली घर में एक घड़ा दिखाई देता है। वह घड़ा भुने हुए चनों से भरा पड़ा था। भूख से लालायित बंदर ने अपने दोनों हाथ घड़े में डाल दिए। बंदर घड़े में से मुट्ठी भर चने भी निकाल नहीं पाया था। घड़े का मुँह छोटा होने के कारण बंदर का हाथ उसमें से नहीं निकल पाया। और उस लालची बंदर से चने भी नहीं छोड़े जा रहे थे। बार-बार कोशिश करने के कारण उसको उसमें देर लग गई। घर के मालिक रमसुमेर यह देखकर डंडा लेकर पहुँच गए। अब आगे बच्चों आप ही सोच सकते हो उस बंदर पर क्या बीती होगी। आप बताइए बंदर ने कहाँ गलती करी थी?

शब्द- भंडार

सूना — जहाँ कोई न हो *(god forsaken)*,
फौरन — तुरंत *(swift)*,
मुट्ठियाँ — बधी हुई हथेलियाँ *(crop)*,
लालची — जिसे लालच हो *(greedy)*,
कोशिश — प्रयास *(effort)*,
मालिक — स्वामी *(owner)*,
खुद — स्वयं *(self)*,
गलती — भूल *(mistake)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

बताऊँ	भूखा	घड़ा	कुरमुरे	चनों
फौरन	मुट्ठियों	मुँह	कोशिश	मालिक

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) बंदर इधर-उधर क्यों घूम रहा था?
(ख) बंदर को सूने घर में क्या दिखाई दिया?
(ग) डंडा लेकर कौन आ गया?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) भूखा कौन था?

☐ बंदर ☐ खरगोश ☐ शेर

(ख) घड़ा किससे भरा था?

☐ फलों से ☐ मिठाइयों से ☐ कुरमुरे चनों से

(ग) घर के मालिक का क्या नाम था?

☐ राममोहन ☐ रामदीन ☐ रामसुमेर

2. कविता के आधार पर (✓) या (✗) का निशान लगाइए–

(क) बंदर बहुत भूखा था। ☐

(ख) उसे मीठे सेब का पेड़ दिखाई दिया। ☐

(ग) घड़े का मुँह बहुत बड़ा था। ☐

(घ) बंदर के हाथ घड़े में फँस गए। ☐

(ङ) घड़े में पानी भरा हुआ था। ☐

भाषा-ज्ञान

1. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम लिखिए–

(क) दिन - ..... (ख) देर - .....

(ग) पाना - ..... (घ) छोटा - .....

(ङ) भरा - ..... (च) मालिक - .....

2. नीचे दिए गए शब्दों में वर्ण-विच्छेद देखिए, समझिए और लिखिए–

(क) दिखाई — द् + इ + ख् + आ + ई .....

(ख) बंदर — .....

(ग) कुरमुरे — .....

क्रियात्मक गतिविधि

- 'लालच बुरी बला है' –इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।